Exchange & Finance Available
Zelo Electric Scooter
Maa Bhagwati Services & Enterprises
B. No. 23, Infront of IDBI Bank,
Neemuch 9407423966, 8770664866

मालवा फर्स्ट

MALWA FIRST

स्वाभिमान ही हमारा अभिमान है

Periodicity- Weekly

RNI NO. MPHIN38290 (TC)

संपादक : ऐश्वर्य शर्मा

नीमच, बुधवार

09 जुलाई 2025

वर्ष - 02, अंक - 62 - मूल्य 02 रूपए

E-mail: nmh.pawan@gmail.com

Contact: 9407423966, 8770664866

Commodity: Gold 99,735 Silver 97,000 Crude Oil 5,963 Natural Gas 302.20 Aluminium 232.30 Copper 827.35

विचारणीय

स्वार्थी होते लोग... गिरती मानवता

स्वार्थसिद्धि के आगे सच्चाई, ईमानदारी और मानवता केवल शब्द मात्र बनकर रह गए...

आज के युग मे जहां सच्चाई, ईमानदारी, पुरुषार्थ, मानवता ये सब अब शब्द मात्र बनकर रह गए है। वास्तविक में लोग अब सिर्फ स्वार्थ सिद्धि में लगे पड़े है। पूरी तरह से स्वार्थी हो चले है। मुझे क्या मिलेगा, मेरा क्या फायदा, मेरा क्या लेना देना हर जगह सुनने को मिलता है। सरकारी दफ्तर से लेकर निजी क्षेत्र सभी जगह सबको बस नफा नुकसान की ही पड़ी है। पहले अधिकांश चींजे अच्छी गुणवत्ता वाली होती थी, कंपनी के मालिक भी सोचते थे कि ग्राहक को सबसे ज्यादा उच्च गुणवत्ता वाली वस्तु ही दी जाए जिससे ग्राहक को सालों साल उसकी उपयोगिता रहे, लेकिन अब मार्केटिंग स्ट्रैटेजी के चलते गुणवत्ता कम और विक्रय ज्यादा पर काम होता है, यही हाल स्वास्थ्य और चिकित्सा क्षेत्र का है जहां पहले डॉक्टरों के लिए पेशेंट का ईलाज पूर्ण निष्ठा से होता था, डॉक्टरों में अपने पेशे के प्रति ईमानदारी होती थी, अब पैकेज होता है...। खाद्य सामग्री में मिलावट भी आम बात है भले ही मिलावट कर जहर ही क्यों ना परोसा जा रहा हो। सब अपना फायदा देख रहे है। 12 महीने पुराने केले, आम कार्बेट से पका कर बस अपना लाभ देख रहे है। दूध नकली बनने लगा है। ना जाने लोगों की मानवता कहाँ मर गई। शिक्षा के क्षेत्र में अब सब पैसों का खेल बन कर रह गया है। पैसा दो शिक्षा लो के हाल हो गए है।

लोगों में किसी के प्रति कोई जिम्मेदारी नही बची। हर कोई बस अपना फायदा देख रहा है। बस अपने बारे में सोच रहा है। ये हाल हर क्षेत्र के पेशे में देखने को मिलते है। जबकि हर पेशे की अपने पेशे के प्रति नैतिक जिम्मेदारी बनती है।

'Without humanity, society is incomplete.' ये सब बस अब किताबी बाते ही बन कर रह गई है।

वर्तमान में गिरती मानवता को बचाने के लिए खुद को बदलना जरूरी हो गया है। एक दूसरे के लिए सोचना पड़ेगा, एक दूसरे के लिए सहारा बनना पड़ेगा।

'मानवता के बिना समाज अधूरा है' इस बात को समझ कर अपनी समाज के प्रति जिम्मेदारी को ध्यान रखने की आवश्यकता है।

- ऐश्वर्य शर्मा
मो. 8770664866

रेलवे चलाएगा तिरुपति-हिसार साप्ताहिक स्पेशल एसी ट्रेन

नीमच, मंदसौर, रतलाम और चित्तौड़गढ़ समेत कई स्टेशनों पर होगा ठहराव, 7 राज्यों से गुजरेगी

नीमच, (निप्र)। लवे यात्रियों की सुविधा के लिए एक नई साप्ताहिक स्पेशल एसी ट्रेन शुरू करेगा। यह ट्रेन तिरुपति से हिसार और हिसार से तिरुपति के बीच चलेगी। यह ट्रेन नीमच, मंदसौर, रतलाम और चित्तौड़गढ़ समेत कई स्टेशनों पर रुकेगी और 7 राज्यों राजस्थान, मध्य प्रदेश, गुजरात, महाराष्ट्र, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश और हरियाणा को आपस में जोड़ेगी।

गाड़ी संख्या 07717 - तिरुपति से हिसार - यह ट्रेन 9 जुलाई से 24 जुलाई तक हर बुधवार रात 11:45 बजे तिरुपति से रवाना होगी और शनिवार दोपहर 2:05 बजे हिसार पहुंचेगी। इस रूट पर कुल 12 बार यह ट्रेन चलेगी।

गाड़ी संख्या 07718 - हिसार से तिरुपति - यह ट्रेन 13 जुलाई से 28 जुलाई तक हर रविवार रात 11:15 बजे हिसार से रवाना होगी और बुधवार सुबह 11:30 बजे तिरुपति पहुंचेगी। इसमें भी कुल 12 ट्रिप होंगी।

नीमच-मंदसौर को होगा ये बड़ा फायदा - इस ट्रेन का ठहराव नीमच रेलवे स्टेशन पर भी है। इसका मतलब यह हुआ कि अब नीमच-मंदसौर के लोग बिना किसी बड़ी भागदौड़ के तिरुपति बालाजी मंदिर के दर्शन के लिए आराम से जा सकेंगे। इसी तरह, जिन यात्रियों को अन्य बड़े शहरों में जाना है, उनके लिए भी यह ट्रेन सीधा और आरामदायक साधन बन जाएगी। अब यहां से एसी ट्रेन की सुविधा मिल जाने से समय, पैसा और मेहनत तीनों की बचत होगी।

इन स्टेशनों पर होगा ठहराव - यह साप्ताहिक स्पेशल एसी रेलसेवा अपने रूट में कुल सात राज्यों से गुजरते हुए कई प्रमुख स्टेशनों पर ठहराव करेगी, जिससे बड़ी संख्या में यात्रियों को लाभ मिलेगा। आंध्र प्रदेश में यह ट्रेन रेणिगुंटा, राजमपेटा, कड़पा, यर्रगुंटला, ताडिपत्रि, गुत्ती, गुंटकल, डोन और कर्नूल सिटी स्टेशनों पर रुकेगी। इसके बाद तेलंगाना राज्य में गडवाल, महबूबनगर, जडचर्ला, काचीगुडा (हैदराबाद), मलकाजगिरी, मडचेल, कामारेड्डी और निजामाबाद स्टेशनों पर इसका ठहराव होगा। महाराष्ट्र में यह ट्रेन बसर, धर्माबाद, मुदखेड, नांदेड, पूर्ना, बसमत, हिंगोली, वाशिम, अकोला, शेहगांव, मलकापुर, भुसावल और जलगांव से होकर गुजरेगी।

गुजरात में नंदुरबार, उधना और वडोदरा स्टेशन पर इसका ठहराव रहेगा। वहीं, मध्यप्रदेश में यह रतलाम, मंदसौर और नीमच स्टेशनों से होकर गुजरेगी। राजस्थान राज्य में चित्तौड़गढ़, भीलवाड़ा, बिजयनगर, नसीराबाद, अजमेर, किशनगढ़, फुलेरा, रींगस, झुंझुनूं, सादुलपुर और सीकर जैसे प्रमुख स्टेशनों पर यात्रियों को चढ़ने-उतरने की सुविधा मिलेगी। अंत में हरियाणा में यह ट्रेन नवलगढ़, चिडावा, लोहारू और स्टेशनों पर रुकेगी और फिर हिसार पहुंचेगी। इस प्रकार यह रेलसेवा दक्षिण भारत से लेकर उत्तर भारत तक के सात राज्यों को जोड़ते हुए हजारों यात्रियों के लिए एक आरामदायक, सीधी और उपयोगी यात्रा का साधन बनेगी।

नीमच में युवा संगम कार्यक्रम (रोजगार मेला) आज

नीमच 8 जुलाई (निप्र)। शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था (डुंगलावदा) में युवा संगम (रोजगार, स्वरोजगार, अप्रेन्टिसशिप मेला) कार्यक्रम आज 9 जुलाई को प्रातः11 बजे से एक बजे तक आयोजित किया जा रहा हैं। इच्छुक बेरोजगार युवक-युवतिया कार्यक्रम में उपस्थित होकर अवसर का लाभ ले सकते हैं। युवा संगम में जिले की प्रतिष्ठित एंव जिले से बाहर की कम्पनियों के प्रतिनिधियों द्वारा युवाओं को रोजगार, उपलब्ध कराया जाएगा। आवेदन हेतु अपनी सी.वी.,रिज्यूम की कॉपी साथ रोजगार संगम कार्यक्रम में उपस्थित होकर इसका लाभ उठा सकते हैं।

मप्र के मिशन अस्पताल में फर्जी कार्डियोलॉजिस्ट से 7 मौतें, अब देशभर में कैथ लैब डॉक्टरों की जांच होगी

भोपाल 8 जुलाई (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के दमोह जिले के मिशन अस्पताल में फर्जी कार्डियोलॉजिस्ट द्वारा की गई दिल की सर्जरी से 7 लोगों की मौत के बाद यह मामला अब राष्ट्रीय स्तर पर गंभीर रूप से लिया गया है। राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग ने पूरे देश की कैथ लैब्स में कार्यरत डॉक्टरों की योग्यता की जांच के निर्देश दिए हैं।

क्या है पूरा मामला? - दमोह के मिशन अस्पताल में डॉ. नरेंद्र यादव उर्फ एन. जान कैम ने लंदन का कार्डियोलॉजिस्ट बताकर कई मरीजों की हार्ट सर्जरी की। मार्च 2025 में हुए इस खुलासे में सात मरीजों की मौत हुई। मामला सामने आने के बाद NHRC ने संज्ञान लिया और राज्य से रिपोर्ट तलब की। जांच में अनियमितताएं, लापरवाही और प्रशासनिक चूक सामने आई।

NHRC ने दिए ये निर्देश - देशभर में सभी कैथ लैब्स के डॉक्टरों की योग्यता की जांच। सभी राज्य सरकारों को आयुष्मान भारत योजना के दुरुपयोग की जांच करने को कहा। सात मृतकों के परिजनों को 10-10 लाख रुपये की आर्थिक सहायता देने की अनुशंसा।

डॉक्टर और अस्पताल प्रबंधन पर अलग-अलग FIR दर्ज करने का निर्देश।

गैर इरादतन हत्या, ठगी, जालसाजी, चिकित्सकीय लापरवाही जैसे मामलों में कानूनी कार्रवाई। पुलिस और CMHO द्वारा की गई लापरवाही पर विभागीय कार्रवाई। मिशन अस्पताल का लाइसेंस निलंबित करने और संपत्ति की जांच के निर्देश।

गंभीर सवाल जिनकी होगी जांच - क्या मरीजों को सर्जरी से पहले खतरे और विकल्पों की जानकारी दी गई थी ? क्या अस्पताल ने बीमा कराया था, और क्या परिजनों को उसका लाभ मिला ? भूमि, भवन निर्माण, और अस्पताल संचालन में नियमों का उल्लंघन हुआ या नहीं ?

व्हिसल ब्लोअर्स की सुरक्षा - जो लोग इस आपराधिक कृत्य को सामने लाने में मददगार रहे, उन्हें व्हिसल ब्लोअर सुरक्षा कानून 2014 के तहत संरक्षण देने की भी सिफारिश की गई है।

पुलिस थाना जीरन में राजसात वाहनों की नीलामी के लिए निविदाए आमंत्रित

नीमच 8 जुलाई (निप्र)। उपखण्ड नीमच के अंतर्गत पुलिस थाना जीरन में राजसात 7 वाहनों के निवर्तन हेतु निविदाएं 11 जुलाई 2025 को सांय 5 बजे तक अनुविभागीय अधिकारी, उपखण्ड नीमच जिला नीमच में जमा कर सकते हैं। निर्धारित दिनांक, समय पश्चात प्राप्त होने वाली निविदाएं मान्य नहीं की जावेगी। प्राप्त निविदाएं 12 जुलाई 2025 को प्रातः 11 बजे थाना परिसर जीरन में नीलामी हेतु गठित समिति उपस्थित निविदादाताओं, अधिकृत प्रतिनिधि के समक्ष खोली जावेगी, परंतु निविदाताओं की अनुउपस्थिति में निविदा खोलने की प्रक्रिया में बाधक नहीं होगी। विस्तृत जानकारी (रीडर-2) उपखण्ड अधिकारी कार्यालय नीमच से प्राप्त की जा सकती है। इस संबंध में 28 मई 2025 एवं 13 जून 2025 को भी विज्ञप्ति जारी की गई थी। इसमें उल्लेखित जीरन थाने के राजसात 7 वाहनों की नीलामी के लिए पुनः यह विज्ञप्ति जारी की गई है।

दिव्यांग युवक-युवती नि:शुल्क रोजगार प्रशिक्षण के रजिस्ट्रेशन प्रारंभ

नीमच 8 जुलाई (निप्र)। भारतीय स्टेट बैंक ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान द्वारा ग्राम दुलाखेडा, पंचायत जमुनिया खुर्द में एनजीओ रामपुरा नवजीवन निःशक्त कल्याण समिति व दिव्यांग ज्योति संस्था व दुलाखेडा के सरपंच सचिव व सरपंच प्रतिनिधि के सहयोग से दिव्यांग युवक/युवतियों को रोजगार से जोडने के लिए निःशुल्क प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। जिसमें अगरबत्ती निर्माण, मोमबत्ती निर्माण, सॉफ्ट टॉयज (खिलौने) बनाना एवं कागज, कवर लिफाफे, फाईलें बनाना आदि का प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रस्तावित है। जिसके रजिस्ट्रेशन प्रारंभ हो चुके हैं एवं मोबाईल नं0 9111053516, माणक मोदी 9826142825, रामप्रकाश बलदेवा 8989622180 पर भी सम्पर्क कर सकते हैं। इस प्रशिक्षण का लाभ ग्रामीण अंचल के ऐसे दिव्यांग युवक/युवतियां जिनकी आयु 18 से 45 वर्ष के बीच हो, ही पात्र होंगे। उपरोक्त दिये गये प्रशिक्षण में आवास, भोजन व नाश्ते की व्यवस्था निःशुल्क रहेगी।

प्रशिक्षण के दौरान इच्छुक प्रशिक्षणार्थियों के लोन के फार्म भी भरे जाएंगे। बैंकिंग सम्बंधी सभी जानकारियां एवं समस्याओं का समाधान भी इस प्रशिक्षण के दौरान किया जायेगा। प्रशिक्षणार्थी 4 पासपोर्ट साईज फोटो एवं 3 सेट में आधार कार्ड, बैंक पासबुक, राशनकार्ड, अंकसूची की छायाप्रति के साथ आवेदन भारतीय स्टेट बैंक ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान, हवाई पट्टी के सामने, विश्राम भवन के पास, चीताखेडा रोड, नीमच में जमा करा सकते हैं। सम्पर्क प्रातः 10.30 बजे से सायं 5.30 बजे तक मोबाईल नं.9111053516, 9074201015, 9479441178, 7898187819 पर भी सम्बंधित जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। उपरोक्त प्रशिक्षण का रजिस्ट्रेशन पहले आओ पहले पाओ के सिद्धान्त पर दिव्यांग संस्थाओं व प्रशिक्षण अधिकारियों के नम्बर पर सीट बुक कराएं।

नीमच में सेवा व समर्पण के कार्यों में मिसाल बना रोटरी डायमंड - कोठारी

रोटरी क्लब ऑफ नीमच डायमंड के नवीन पदाधिकारियों का पदभार ग्रहण समारोह संपन्न

नीमच 8 जुलाई (निप्र)। नीमच शहर में अगर पीड़ित मानवता की सेवा और उनके प्रति समर्पण देखना हो तो रोटरी क्लब ऑफ नीमच डायमंड प्रेरणा ही नहीं बल्कि एक मिसाल बन चुका हैं। रोटरी क्लब ऑफ नीमच डायमंड शहर में हर तरह की गतिविधि आयोजित करता है। चाहे वो पर्यावरण के क्षेत्र में हो,या फिर जरूरतमंद की मदद का कार्य हो। ऐसा कोई सामाजिक कार्य शेष नहीं है,जो रोटरी क्लब ऑफ नीमच डायमंड के सदस्य नीमच शहर में नहीं करते हो। यह एक अच्छा उद्देश्य है,ओर मुझे उम्मीद है कि रोटरी क्लब ऑफ नीमच डायमंड के सदस्य आगे भी ऐसे ही सेवा कार्यों को शहर में आगे बढ़ाते रहेंगे। यह बात सोमवार शाम शहर के होटल राज पैलेस में रोटरी क्लब ऑफ नीमच डायमंड के सत्र 2025–26 के नवीन पदाधिकारियों के शपथ ग्रहण समारोह में उपस्थितजनों को संबोधित करते

हुए, बतौर मुख्य अतिथि डिस्ट्रिक्ट गवर्नर 2026–27 संस्कार कोठारी ने कहीं।

कार्यक्रम में शपथ अधिकारी मुकेश साहू(सागर),सह मंडलाध्यक्ष सत्र 2025–26संजय गोथी,पूर्व डिस्ट्रिक्ट गवर्नर दर्शन सिंह गांधी आदि भी मंचासिन रहे। कार्यक्रम का आरंभ राष्ट्र गान के साथ हुआ। तत्पश्चात सभी मंचासीन अतिथियों ने मां सरस्वती व रोटरी के जनक पोल पी हैरिस के चित्र पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम की विधिवत शुरुआत की। कार्यक्रम में स्वागत भाषण पूर्व अध्यक्ष कमल मंगल ने दिया। जिसके बाद पूर्व पदाधिकारियों ने नवीन पदाधिकारियों को कॉलर पिन का एक्सचेंज किया। तत्पश्चात शपथ अधिकारी मुकेश साहू ने नवीन अध्यक्ष सौरभ शर्मा, सचिव आशीष सैनी,कोषाध्यक्ष भुवनेश शर्मा तथा टीम के 30 सदस्यों को अपने पद तथा सेवा कार्यों की शपथ दिलवाई। जिसके बाद 4 नए सदस्यों को भी रोटरी क्लब ऑफ नीमच डायमंड की सदस्यता दिलाई गई। इसके पश्चात नवीन अध्यक्ष सौरभ शर्मा ने कार्यक्रम में अपने विचार व्यक्त किए,तथा उपस्थित गणमान्यजनो को वर्ष भर किए जाने वाले सेवा कार्यों से अवगत करवाया। तत्पश्चात अन्य अतिथियों ने भी बारी–बारी से कार्यक्रम को संबोधित किया। कार्यक्रम में एक जरूरतमंद को सिलाई मशीन भी भेंट की गई। कार्यक्रम के अंत में मंचासीन अतिथियों को नवीन पदाधिकारियों ने प्रतीक चिन्ह भेंट कर भी सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन दीपक मूंदड़ा ने किया,तथा अंत में आभार नवागत सचिव आशीष सैनी ने व्यक्त किया।

Email: nmh.pawan@gmail.com
Contact: 9407423966, 8770664886

प्रकृति एवं जीवन रक्षा के लिये नदियों का संरक्षण जरूरी

ललित गर्ग

आज गंदे पानी को नदी जल से अलग रखने के विषय पर गंभीरता से विचार करने की आवश्यकता है। इस गंदे पानी को उपचारित करके उसे कृषि कार्यों व उद्योगों में उपयोग में लाया जा सकता है। हमारी जिन नदियों ने नालों का रूप धारण कर लिया है, उन्हें पुनः नदी बनाने की जरूरत है, नदियों के प्रति मित्रवत व्यवहार रखना तथा उनकी चिंता करना जरूरी है।

भारत में कई नदियां सूखने या प्रदूषित होने के कारण मरने के कगार पर हैं। इन नदियों की हालत इतनी खराब हो गई है कि कुछ तो नालों में बदल गई हैं और उनका नदी होना भी मुश्किल है। नदियों के सूखने और प्रदूषित होने के कारणों में मुख्य हैं, अत्यधिक पानी का दोहन, प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन। नदियां जीवन का आधार है, लेकिन तेजी से बढ़ते प्रदूषण, तथाकथित भौतिकवादी सोच एवं नदियों के प्रति उपेक्षा एवं दोहन के कारण कई नदियां अब ह्यमृतह्ल होने की कगार पर है। गंगा और यमुना जैसी पवित्र नदियां भी दुनिया की प्रदूषित नदियों में शामिल हो चुकी है। राष्ट्रीय स्तर पर नदी प्रबंधन, नदी प्रदूषण और नदी संरक्षण से संबंधित मुद्दों पर लोगों को जागरूक करना नितांत आवश्यक है। नदियां के अत्यधिक खतरे में होने से मानव जीवन, पर्यावरण एवं प्रकृति भी संकट में है। जरूरत है मानसूनी जल को नदियों से जोड़ने एवं संरक्षित करने की।

देश में सर्वत्र नदियों का अस्तित्व खतरे में है। विशेषतः उत्तर प्रदेश में नदियों की संख्या लगभग 1,000 है, जिनका 55 हजार किलोमीटर का नेटवर्क है। उनमें से 30 हजार किलोमीटर क्षेत्र में जल घटा है या सूखा है। प्रदेश की 100 छोटी और सहायक नदियां सूख चुकी हैं। बिहार की 50 से अधिक नदियां संकट में हैं। इनमें 32 बड़ी नदियां सूख चुकी हैं, जबकि 18 में पानी थोड़ा बचा है। यमुना नदी भारत की सबसे प्रदूषित नदियों में से एक है और यह अत्यधिक प्रदूषण और पानी के अत्यधिक दोहन के कारण मरने के कगार पर है। साहिबी नदी, जो कभी दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान की एक महत्वपूर्ण नदी थी। ओडिशा में कई नदियां सूख रही हैं और प्रदूषित हो रही हैं, जिससे वहां के पर्यावरण और लोगों के जीवन पर नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है। हैरानी की बात है कि गंगा, सोन और अघवारा जैसी बड़ी नदियों में भी पानी कम है। उत्तराखंड में अल्मोड़ा-हल्द्वानी की लाइफलाइन कोसी और गौला नदियों का जलस्तर कम हो रहा है।

महानदी बचाओ आंदोलन और ओडिशा नदी सुरक्षा समिति द्वारा आयोजित ओडिशा नदी सुरक्षा सम्मेलन में राज्य की नदियों की बिगड़ती स्थिति पर गहरी चिंता व्यक्त की गई। सरकार से एक समग्र नदी नीति बनाने एवं ओडिशा एवं अन्य प्रांतों की नदियों की स्थिति पर श्वेत पत्र जारी करने की पुरजोर मांग उठी। पर्यावरणविद् राजेन्द्र सिंह ने कहा, 'ओडिशा की कई नदियां मरने के कगार पर हैं। अगर नदियों का स्वास्थ्य नहीं सुधरा, तो मानव का स्वास्थ्य भी नहीं बचेगा।' बात केवल ओडिशा की ही नहीं है, बल्कि सभी प्रांतों में सिंचाई, औद्योगिक उपयोग और घरेलू जरूरतों के

लिए नदियों से अत्यधिक पानी निकाला जा रहा है, जिससे नदियों में पानी की कमी हो गई है। औद्योगिक कचरा, सीवेज और कृषि अपवाह नदियों में प्रवाहित हो रहा है, जिससे पानी प्रदूषित हो रहा है। जलवायु परिवर्तन के कारण वर्षा के तरीकों में बदलाव आया है, जिससे कुछ क्षेत्रों में सूखे की स्थिति बढ़ गई है और नदियों में पानी का प्रवाह कम हो गया है। नदियों से रेत का अवैध खनन भी नदियों के पारिस्थितिकी तंत्र को नुकसान पहुंचा रहा है और नदियों के बहाव को बदल रहा है। जंगलों की कटाई से मिट्टी का कटाव बढ़ रहा है, जिससे नदियों में गाद जमा हो रही है और उनकी गहराई कम हो रही है।

भारत नदियों का एक अनोखा देश है जहां नदियों को पूजनीय माना जाता है। गंगा, यमुना, महानदी, गोदावरी, नर्मदा, सिंधु (सिंधु), और कावेरी जैसी नदियों को देवी-देवताओं के रूप में पूजा जाता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के शासन में बनाया गया जल शक्ति मंत्रालय, नदी घाटियों में आर्द्रभूमि के पुनरुद्धार और संरक्षण और नदी प्रदूषण के खतरनाक स्तर से निपटने पर ध्यान केंद्रित करता है। देश के समक्ष वाटर विजन 2047 प्रस्तुत किया गया है यानी आजादी के सौ वर्ष पूरे होने तक देश को प्रत्येक वह कार्य करना है, जो देश को पानी के मामलों में सबल बना सके। इसमें हमारी नदियां भी शामिल हैं। हमें अपनी नदियों को 2047 तक निर्मल व अविरल बनाने के संकल्पित लक्ष्य को लेकर आगे बढ़ना होगा। भारत की नदियों की दिन-ब-दिन बिगड़ती हालत एवं बढ़ते प्रदूषण पर पिछले चार दशकों से लगभग हर सरकार कोरी राजनीति कर रही है, प्रदूषणमुक्त नदियों का कोई ईमानदार प्रयास होता हुआ दिखाई नहीं दिया है।

नदियां हमारे जीवन की जीवन रेखा है, गति है, ताकत है। ये पानी, बिजली, परिवहन, मछली और मनोरंजन के लिए स्रोत हैं। नदियां पर्यावरण के लिए भी बहुत फायदेमंद हैं। नदियों के किनारे बसे शहरों की वजह से ये आर्थिक रूप से भी अहम हैं, इनसे ताजा पीने का पानी मिलता है, बिजली बनती है, खेती के लिए जरूरी उपजाऊ मिट्टी मिलती है। नदियों से जल परिवहन होता है। नदियां मरेंगी तो समाज मर जाएगा। नदियों पर खतरे के तीन बड़े कारण हैं और इन्हें पुनर्जीवन के लिए सरकारी एवं सामाजिक स्तर पर गंभीरता से प्रयास करने की जरूरत है। देश में जनसंख्या का दबाव बढ़ने के साथ ही जमीनों की कीमतें बढ़ीं, इसके साथ ही नदी किनारे भूमि पर अतिक्रमण, सिंचाई के लिए भूजल शोषण और नगरों के गंदों नालों से बढ़ता प्रदूषण नदियों के लिए गंभीर खतरा बन गए और छोटी बड़ी तमाम नदियां सूख रही है। कई नदियां बेमौत मर गईं। केंद्र व प्रदेश की सरकार को सबसे पहले नदियों की जमीन का सीमांकन व चिह्नांकन कराने के साथ ही राजस्व नक्शे में नोटिफिकेशन करना चाहिए। तभी कुछ सुधार की संभावना है।

नदियां मानव अस्तित्व का मूलभूत आधार है और देश एवं दुनिया की धमनियां हैं, इन धमनियों में यदि प्रदूषित जल पहुंचेगा तो शरीर बीमार होगा, लिहाजा हमें नदी रूपी इन धमनियों में शुद्ध जल के ?बहाव को सुनिश्चित करना होगा। नदियों को राष्ट्रीय संपत्ति घोषित किये जाने की जरूरत है। देश में नदी जल एवं नदियों के लिए कानून बने हुए है, आवश्यक हो गया है कि उस पर पुनर्विचार कर देश के व्यापक हित में विवेक से निर्णय लिया जाना चाहिए। हमारे राजनीतिज्ञ, जिन्हें सिर्फ वोट की प्यास है और वे अपनी इस स्वार्थ की प्यास को इस पानी से बुझाना चाहते हैं। नदियों को विवाद बना दिया है, आवश्यकता है तुच्छ स्वार्थ से ऊपर उठकर व्यापक मानवीय हित के परिप्रेक्ष्य में देखा जाये। यह किसी से छिपा नहीं है कि हमारे देश में गर्मी और लू के दिन जहां बढ़ रहे हैं, वहीं बरसात के दिन घटते जा रहे हैं। अब जलवायु परिवर्तन की मार देश के दूरस्थ अंचल तक दिख रही है। ऐसे में मानसूनी वर्षा के जल को यदि सलीके से नहीं सहेजा गया तो देश की सामाजिक-आर्थिक-प्राकृतिक स्थिति पर जल-संकट का बड़ा घातक प्रभाव होगा। नदियों के लिए ताजा पानी उपलब्ध कराने, जैव विविधता को बढ़ावा देने से लेकर जलवायु को नियंत्रित करने और सांस्कृतिक परंपराओं को बनाए रखने तक स्वस्थ, निर्मल एवं पवित्र मुक्त बहने वाली नदियां को संरक्षित करना जरूरी है। तालाब संरक्षण की बात तो सभी करते हैं, लेकिन आज जरूरी है कि छोटी नदियों की भी सुध ली जाए।

आज गंदे पानी को नदी जल से अलग रखने के विषय पर गंभीरता से विचार करने की आवश्यकता है। इस गंदे पानी को उपचारित करके उसे कृषि कार्यों व उद्योगों में उपयोग में लाया जा सकता है। हमारी जिन नदियों ने नालों का रूप धारण कर लिया है, उन्हें पुनः नदी बनाने की जरूरत है, नदियों के प्रति मित्रवत व्यवहार रखना तथा उनकी चिंता करना जरूरी है। हम नदियों की रक्षा में अग्रणी समुदायों और नागरिक समाज के आंदोलनों को मजबूत करना होगा। मजबूत डेटा और साक्ष्य उत्पन्न करने के लिए खोजी अनुसंधान को बल देना होगा। विनाशकारी परियोजनाओं का पदार्फाश करने और उनका विरोध करने के अभियानों को स्वतंत्र और निडर बनाये। अगर इस ग्रह पर कोई जादू है तो वह पानी में है। यह हमें अपनी अर्थव्यवस्था के एक हिस्से के रूप में व्यापार और वाणिज्य के लिए सस्ता और कुशल अंतर्देशीय परिवहन भी प्रदान करता है। यह पृथ्वी पर सबसे विविध और लुप्तप्राय वन्यजीवों में से कुछ का घर भी है।

(लेखक, पत्रकार एवं स्तंभकार)
(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संपादकीय

गर्व का क्षण

अंतरिक्ष हमेशा से मानवजाति के लिए जिज्ञासा का केंद्र रहा है। भारत इसरो के जरिए अंतरिक्ष में लगातार ऊंची से ऊंची छलांग लगाकर लगातार इतिहास रचता रहा है। 1984 में राकेश शर्मा के रूप में अंतरिक्ष में पहले भारतीय की उपस्थिति दर्ज करने के रखने के 41 साल बाद बुधवार को किसी दूसरे भारतीय ने यह उपलब्धि हासिल करके इतिहास रच दिया। भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला ने एक्सिओम मिशन के तहत बुधवार को तीन अन्य देशों के यात्रियों के साथ अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) की यात्रा के लिए रवाना होकर इतिहास रच दिया। शुभांशु की यह यात्रा मानवयुक्त अंतरिक्ष मिशन की भारत की आकांक्षा को पूरा करने की दिशा में बहुत अहम कदम है। बुधवार को कारोबारी एलोन मस्क के स्पेसएक्स के फाल्कन-9 रॉकेट ने दोपहर 12 बजकर एक मिनट पर भारतीय वायुसेना में ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला व अन्य अंतरिक्ष यात्रियों के लेकर फ्लोरिड़ा के केनेड़ी स्पेस सेंटर से आईएसएस के लिए जैसे ही उड़ान भरी पूरा देश खुशी से झूम उठा। राष्ट्रपति मुर्मू ने यात्रा को अंतरिक्ष में भारत के लिए मील का पत्थर की स्थापना कहा तो प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि शुक्ला अपने साथ 1.4 अरब भारतीयों की शुभेच्छाएं, उम्मीदें और आकांक्षाएं लेकर गए हैं। पहले भारतीय अंतरिक्ष यात्री राकेश शर्मा ने चालक दल से कहा जितना संभव हो सके खिड़की से बाहर देखते हुए समय बिताएं। शर्मा 1984 में तत्कालीन सोवियत संघ के सैल्यूट-7 अंतरिक्ष स्टेशन के तहत कक्षा में आठ दिन रहे थे। इस मिशन में अमेरिका, पोलैंड़ और हंगरी के अंतरिक्ष यात्री भी शामिल हैं। करीब 28 घंटे की यात्रा के बाद यान के आज (बृहस्पतिवार) शाम साढे.चार बजे आईएसएस पहुंचने की संभावना है। अंतरिक्ष यात्री अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन में 14 दिन बिताएंगे और अपने मिशन के दौरान 60 प्रयोग करेंगे। इन प्रयोगों से मानव शरीर क्रिया विज्ञान, पोषण और अंतरिक्ष में बीज अंकुरण जैसे क्षेत्रों में सूक्ष्मगुरुत्व अनुसंधान में योगदान मिलने की उम्मीद है। शुभांशु की यह यात्रा भारत के लिए असीम संभावनाओं के द्वार तो खोलेगी ही भारत की भावी पीढ़ी को भी विज्ञान और अंतरिक्ष की उन कल्पनाओं की यात्रा में ले जाएगी जो जिज्ञासा करती है और फिर नवाचार के जरिए अकल्पनीय लक्ष्यों को हासिल करने की आकांक्षा जगाती है।

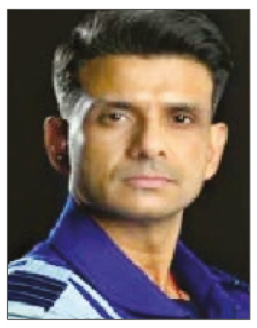

चिंतन-मनन

आशा निराशा

एक मछुआरा था । उस दिन सुबह से शाम तक नदी में जाल डालकर मछलियाँ पकड़ने की कोशिश करता रहा , लेकिन एक भी मछली जाल में न फँसी। जैसे -जैसे सूरज डूबने लगा, उसकी निराशा गहरी होती गयी । भगवान का नाम लेकर उसने एक बार और जाल डाला । पर इस बार भी वह असफल रहा। पर एक वजनी पोटली उसके जाल में अटकी । मछुआरे ने पोटली निकला और टटोला तो झुंझला गया और बोला - हाय ये तो पत्थर है ! फिर मन मारकर वह नाव में चढा।

बहुत निराशा के साथ कुछ सोचते हुए वह अपने नाव को आगे बढ़ता जा रहा था और मन में आगे के योजनाओं के बारे में सोचता चला जा रहा था । सोच रहा था कल दुसरे किनारे पर जाल डालूँगा। सबसे छिपकर ...उधर कोई नही जाता ....वहां बहुत सारी मछलियाँ पकड़ी जा सकती है ... ।

मन चंचल था तो फिर हाथ कैसे स्थिर रहता ? वह एक हाथ से उस पोटली के पत्थर को एक -एक करके नदी में फेंकता जा रहा था । पोटली खाली हो गयी । जब एक पत्थर बचा था तो अनायास ही उसकी नजर उसपर गयी तो वह स्तब्ध रह गया । उसे अपने आँखों पर यकीन नही हो रहा था , यह क्या ! ये तो नीलम था । मछुआरे के पास अब पछताने के अलावा कुछ नही बचा था . नदी के बीचोबीच अपनी नाव में बैठा वह सिर्फ अब अपने को कोस रहा था । प्रकृति और प्रारब्ध ऐसे ही न जाने कितने नीलम हमारी झोली में डालता रहता है जिन्हें पत्थर समझ हम ठुकरा देते हैं।

हिन्दी का किसी क्षेत्रीय भाषा से कोई संघर्ष नहीं है....

सुनील कुमार महला

भारत विश्व का एक ऐसा देश है, जहां भाषाओं की विविधता पाई जाती है। यहां अलग-अलग समूहों द्वारा अनेक भाषाएं बोली,पढ़ी,लिखी व समझी जाती हैं, लेकिन भारत के संविधान में हिंदी को भारत की राजभाषा (यानी कि आफिशियल लैंग्वेज) का दर्जा प्राप्त है। गौरतलब है कि भारत के संविधान के अनुच्छेद 343 (1) के अनुसार, देवनागरी लिपि में लिखी गई हिंदी को संघ की आधिकारिक भाषा का दर्जा प्राप्त है। यह(हिंदी)भारत की मातृभाषा भी है तो भारत की प्रथम राजभाषा भी। गौरतलब है कि भारत की द्वितीय राजभाषा अंग्रेजी है। यहां पाठकों को बताता चलूं कि वर्ष 2011 की भाषायी जनगणना के अनुसारः भारत में 121 मातृभाषाएँ हैं। एक उपलब्ध जानकारी के अनुसार 55% आबादी हिंदी को या तो मातृभाषा के रूप में या अपनी दूसरी भाषा के रूप में जानती है तथा आज दुनिया में लगभग 60-65 करोड़ लोग हिंदी बोलते हैं, जिससे यह विश्व में तीसरी सबसे अधिक बोली जाने वाली भाषा बन चुकी है।

सच तो यह है कि अंग्रेजी और मंदारिन(मंडारिन) चीनी के बाद हिंदी का स्थान प्रमुख है। हिंदी न केवल भारत में, बल्कि आज विश्व के कई अन्य देशों जैसे कि नेपाल, मॉरिशस, फिजी, सूरीनाम, गुयाना, त्रिनिदाद और टोबैगो, और पाकिस्तान में भी बोली, पढ़ी, लिखी और समझी जाती है और विश्व के बहुत से देशों ने आज हिंदी के महत्व,इसकी वैज्ञानिकता,इसकी दमदार शब्दावली को सहज ही स्वीकार किया है। आंकड़े बताते हैं कि वर्ष 1971 से वर्ष 2011 के बीच हिंदी बोलने वालों की संख्या 2.6 गुना बढ़कर 20.2 करोड़ से 52.8 करोड़ हो गई। वर्ष 2011 के बाद से अब तक इस संख्या में बहुत अधिक इजाफा हुआ है और यह हम सभी को गौरवान्वित महसूस कराता है। कहना गलत नहीं होगा कि आज हिंदी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपना प्रभाव छोड़ रही है और निरंतर आगे बढ़ रही है। हाल ही में यानी कि 26 जून 2025 को नई दिल्ली स्थित भारत मंडपम में हमारे देश के केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने केंद्र सरकार के राजभाषा विभाग की स्वर्ण जयंती समारोह में भाग लिया। इस दौरान उन्होंने यह बात कही कि 'हिंदी किसी भी भारतीय भाषा की विरोधी नहीं है, बल्कि सभी भारतीय भाषाओं की मित्र है।'

बहरहाल, कहना चाहूंगा कि आज हमारे देश में भाषा को लेकर तरह-तरह की राजनीति की जाती है, इसे कदापि ठीक व जायज नहीं ठहराया जा सकता है। इससे बड़ी विडंबना की व दुःखद बात भला और क्या हो सकती है कि आज भाषाओं को लेकर कहीं भी कोई न कोई जुबानी जंग छिड़ जाती है। हमें यह कदापि नहीं भूलना चाहिए कि लोगों को आपस में जोड़ने का एक महत्वपूर्ण माध्यम भाषा को ही माना जाता है और हिंदी हमारे देश की वह भाषा है, जो सदियों सदियों से हमारे देश भारत को एकता व अखंडता के सूत्र में पिरोए हुए हैं। कहना गलत नहीं होगा कि हिंदी किसी भी भाषा की विरोधी कतई नहीं है। हिंदी वह भाषा है, जिसमें हमारे देश की सनातन संस्कृति की झलक मिलती है, तथा यह हमारे सामाजिक ताने-बाने को मजबूत व सुदृढ़ रखे हुए है, स्वतंत्रता के पूर्व से लेकर, हमारे देश की स्वतंत्रता प्राप्ति और इसके बाद भी निरंतर अब तक हिंदी अपनी संस्कृतनिष्ठता,व्यवस्थितता और अपने लचीलेपन से इसका प्रयोग ज्ञान-विज्ञान से लेकर साहित्य, और संचार के विभिन्न माध्यमों में लगातार बढ़ता ही चला जा रहा है, जो हमें गौरवान्वित करती है। हमें अपनी मां बोली हिंदी पर या यूं कहें कि अपनी मातृभाषा पर गर्व करना चाहिए। हम अंग्रेजी का विरोध नहीं करें, क्यों कि कोई भी भाषा कभी भी अच्छी बुरी नहीं हो सकती है?। सभी भाषाओं का अपना-अपना महत्व है।

इसलिए हमें यह चाहिए कि हम सभी भाषाओं या ज्यादा से ज्यादा भाषाओं को सीखने का प्रयास करें, यह हमारे ज्ञान में बढ़ोत्तरी करेगा वहीं व्यवहार में भी ये भाषाएं हमारे कहीं न कहीं अवश्य काम में आयेंगी, लेकिन हमें यह चाहिए कि भारत के निवासी होते हुए हम सबसे ज्यादा तवज्जो अपनी मातृभाषा हिंदी को दें। अपनी मातृभाषा को छोड़कर,उसे तिलांजलि देकर, दूसरी भाषाओं को अपनाकर, या उन्हें सीखकर हम कभी भी आगे नहीं बढ़ सकते, क्यों कि जो बात हम अपनी मातृभाषा में सहजता और सरलता से कह सकते हैं, अभिव्यक्ति दे सकते हैं,वह शायद विश्व की किसी अन्य भाषा में नहीं। हिंदी भाषा भारत की विविध संस्कृतियों को एकजुट करने और सामाजिक एकीकरण की भावना पैदा करने में एक सेतु का काम करती है। महात्मा गांधी जी ने राष्ट्रभाषा के बारे में यह बात कही है कि 'राष्ट्रभाषा के बिना राष्ट्र गूंगा है।' हिंदी हमारे देश और भाषा की प्रभावशाली विरासत है।आर्यों की सबसे प्राचीन भाषा हिन्दी ही है और इसमें तद्भव शब्द सभी भाषाओं से अधिक है। आज भाषा के नाम पर राजनीति होती है, यह बहुत ही गलत है। जापानियों ने जिस ढंग से विदेशी भाषाएँ सीखकर अपनी मातृभाषा को उन्नति के शिखर पर पहुँचाया है उसी प्रकार हमें भी मातृभाषा (हिंदी) का भक्त होना चाहिए। हाल फिलहाल, पाठकों को बताता चलूं कि राजभाषा विभाग के स्वर्ण जयंती समारोह के दौरान हमारे गृहमंत्री जी ने भी यह बात कही है कि 'किसी भी विदेशी भाषा का विरोध नहीं होना चाहिए, लेकिन हमें अपनी मातृभाषा पर गर्व भी करना चाहिए।' वास्तव में हमें यह चाहिए कि हम मातृभाषा में सोचने, बोलने के साथ-साथ उसे अभिव्यक्त करने की भावना को भी प्रोत्साहित करें।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने हाल ही में यह कहा है कि '...पिछले कुछ दशकों में भाषा का इस्तेमाल भारत को बांटने के साधन के रूप में किया गया। वे इसे तोड़ नहीं पाए, लेकिन प्रयास किए गए। हम सुनिश्चित करेंगे कि हमारी भाषाएं भारत को एकजुट करने का सशक्त माध्यम बनें।' महाराष्ट्र और कर्नाटक समेत कई राज्यों में राजभाषा को लेकर सवाल उठाए गए, तमिलनाडु ने तो जैसे हिंदी विरोध में राजनीतिक मोर्चा खोल रखा है। वास्तव में यह बहुत दुखद है, ऐसा नहीं होना चाहिए। आज भारत दुनिया का एक मात्र ऐसा देश है, जहां राजभाषा के लिए एक अलग विभाग है तथा इसके कार्यान्वयन के लिए अधिकारी व हिंदी अनुवादक मौजूद हैं। दुनिया में ऐसा उदाहरण कहीं अन्यत्र देखने को नहीं मिलता। हम हमारे ही देश में भाषा की लड़ाई लड़ रहे हैं। लेकिन हमें यह कदापि नहीं भूलना चाहिए कि आज संचार की भाषा हिन्दी है, बाजार और सिनेमा से लेकर आज कोई भी क्षेत्र ऐसा नहीं बचा है, जहां हिंदी का प्रयोग नहीं किया जा रहा है। हमें यह चाहिए कि हम किसी विदेशी भाषा का विरोध कतई नहीं करें। भारत के वासी होते हुए हमारा यह परम कर्तव्य बनता है कि हम आग्रह अपनी भाषा(हिंदी) के गौरव का करें। जैसा कि केंद्रीय गृह मंत्री जी ने कहा है कि 'आग्रह अपनी भाषा में सोचने का होना चाहिए। हमें गुलामी की मानसिकता से मुक्त होना चाहिए।' सच तो यह है कि जब तक हम अपनी भाषा पर गर्व नहीं करेंगे, अपनी भाषा में अपनी बात नहीं कहेंगे, तब तक हम गुलामी की मानसिकता से मुक्त नहीं हो सकते हैं।

ड़ीएमड़ी रोगः लाइलाज बीमारी से जूझते बच्चे

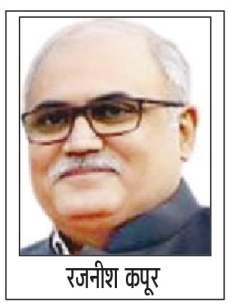

रजनीश कपूर

ड्यूशेन मस्कुलर डिस्ट्रॉफी (डीएमडी) एक ऐसी दुर्लभ और लाइलाज जेनेटिक बीमारी है, जो मुख्य रूप से लड़कों को प्रभावित करती है। यह बीमारी मांसपेशियों को धीरे-धीरे कमजोर करती है, जिससे रोगी का चलना-फिरना, सांस लेना और अंततः जीवित रहना मुश्किल हो जाता है। भारत में हर 3500 पुरुष जन्मों में से एक बच्चा इस बीमारी का शिकार होता है। इसका इलाज इतना महंगा है कि यह सामान्य परिवारों की पहुंच से बाहर है। ऐसी ही एक मार्मिक कहानी है अमृतसर के जंडियाला गुरु निवासी हरप्रीत सिंह और उनकी पत्नी कीङ्क जो अपने 9 वर्षीय बेटे इशमीत को बचाने के लिए दिन-रात संघर्ष कर रहे हैं। इशमीत को डीएमडी है और उसके इलाज के लिए 27 करोड़ रुपये की जरूरत है, एक ऐसी राशि जो किसी सामान्य परिवार के लिए असंभव-सी प्रतीत होती है।

हरप्रीत सिंह भारतीय सेना में सैनिक हैं और उनकी पत्नी का जीवन तब तक सामान्य था, जब तक उनके इकलौते बेटे इशमीत में कुछ असामान्य लक्षण दिखाई नहीं दिए। इशमीत जब चार साल का था तब उसके माता-पिता ने देखा कि वह ठीक से चल नहीं पाता, बार-बार गिरता है और अन्य बच्चों की तरह दौड़-भाग नहीं कर पाता। शुरू में उन्होंने इसे सामान्य कमजोरी समझा, लेकिन जब लक्षण बढ़ने लगे तो वे उसे स्थानीय डॉक्टरों के पास ले गए। कई जांचों और अस्पतालों के चक्कर काटने के बाद, दिल्ली के एम्स में डॉक्टरों ने पुष्टि की कि इशमीत डीएमडी से पीड़ित है। डीएमडी एक अनुवांशिक बीमारी है, जो डिस्ट्रोफिन जीन में उत्परिवर्तन के कारण होती है। यह जीन शरीर में डिस्ट्रोफिन प्रोटीन का निर्माण करता है, जो मांसपेशियों को मजबूत रखने के लिए जरूरी होता है। इस प्रोटीन की कमी से मांसपेशियां कमजोर होकर धीरे-धीरे नष्ट हो जाती हैं। डीएमडी से पीड़ित बच्चों की औसत आयु 11 से 21 वर्ष तक होती है और ज्यादातर मरीज किशोरावस्था के अंत तक व्हीलचेयर पर निर्भर हो जाते हैं। जब हरप्रीत को पता चला कि उनके बेटे का इलाज संभव है तो उनके चेहरे पर उम्मीद की किरण जगी। एम्स के डॉक्टरों ने बताया कि अमेरिका में एक जीन थेरेपी उपलब्ध है, जिसमें एक विशेष इंजेक्शन जोल्जेंस्मा (या समकक्ष दवा) के जरिए डीएमडी का इलाज किया जा सकता है। डॉक्टरों ने आश्वासन दिया कि यह इंजेक्शन इशमीत को पूरी तरह स्वस्थ कर सकता है, लेकिन इस उम्मीद के साथ एक ऐसी सच्चाई भी सामने आई जिसने परिवार को हताश कर दिया। इस इंजेक्शन की कीमत 27 करोड़ रुपये है। हरप्रीत सिंह ने अपनी सारी जमा-पूंजी, जमीन, और अन्य संसाधनों को बेचने की कोशिश की, लेकिन इससे भी इस राशि का एक छोटा सा हिस्सा ही जुट पाया। भारत में डीएमडी का कोई किफायती इलाज उपलब्ध नहीं है और स्टेरॉयड जैसी दवाएं केवल लक्षणों को कुछ समय के लिए नियंत्रित कर सकती हैं, जिनके गंभीर दुष्प्रभाव भी हैं। हरप्रीत और उनकी पत्नी ने अपने बेटे को बचाने के लिए क्राउड फंडिंग का सहारा लिया। सोशल मीडिया, स्थानीय समुदाय और विभिन्न संगठनों के माध्यम से उन्होंने लोगों से मदद की अपील की। उनकी मेहनत रंग लाई और अब तक करीब दो करोड़ रुपये जमा हो चुके हैं, लेकिन अभी भी पच्चीस करोड़ रुपये की जरूरत है और समय तेजी से बीत रहा है। डीएमडी जैसी दुर्लभ बीमारियों के इलाज के लिए भारत में कोई ठोस नीति या सरकारी सहायता नहीं है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने 2021 में दिल्ली हाईकोर्ट में बताया था कि देश में करीब पांच लाख लोग डीएमडी से पीड़ित हैं और प्रत्येक मरीज के इलाज पर सालाना पांच करोड़ रु पये का खर्च आता है, लेकिन बजट की कमी के कारण सरकार इस दिशा में कोई कदम नहीं उठा पा रही। हरप्रीत ने कई बार सरकार से मदद की गुहार लगाई, लेकिन उन्हें केवल आश्वासन ही मिले। डीएमडी के मरीजों के लिए न तो मुफ्त दवाएं उपलब्ध हैं, न ही फिजियोथेरेपी जैसी सहायक सेवाएं। ऐसे में परिवार अकेले ही इस जंग को लड़ने के लिए मजबूर हैं। डीएमडी के बारे में भारत में जागरूकता का अभाव भी एक बड़ी समस्या है। बहुत कम लोग इस बीमारी को समझते हैं, जिसके कारण मरीजों और उनके परिवारों को सामाजिक समर्थन नहीं मिल पाता। 2023 में दिल्ली के जंतर-मंतर पर डीएमडी जागरूकता के लिए एक रैली निकाली गई थी जिसमें

21 राज्यों से करीब 500 परिवार शामिल हुए। इस रैली में माता-पिता ने सरकार से सस्ती दवाओं, शोध के लिए फंड और मुफ्त इलाज की मांग की थी। हरप्रीत जैसे परिवारों का मानना है कि अगर समाज इस बीमारी को समझे और सरकार इसमें शोध को प्रोत्साहित करे, तो शायद भविष्य में इलाज किफायती हो सके। हरप्रीत और उनकी पत्नी की कहानी यह सवाल उठाती है कि क्या भारत में, जहां स्वास्थ्य सेवाएं चुनौतियों से भरी हैं, दुर्लभ बीमारियों के मरीजों को जीने का हक मिलेगा? यह न केवल हृदयविदारक है, बल्कि यह समाज और सरकार के लिए एक आंख खोलने वाली सीख भी है। डीएमडी से जूझ रहे बच्चों के लिए जागरूकता, शोध और किफायती इलाज की जरूरत है।

काजोल ने रामोजी फिल्म सिटी को कहा था हांटेड, विवाद बढ़ने पर दी सफाई

एक्ट्रेस काजोल को हैदराबाद की रामोजी फिल्म सिटी को हांटेड कहने पर आलोचना का सामना करना पड़ा। जिसके बाद उन्होंने बयान को लेकर सफाई दी है। सोमवार को काजोल ने अपने आधिकारिक अकाउंट पर लिखा, मैं अपनी फिल्म मां के प्रमोशन के दौरान दिए गए उस बयान को स्पष्ट करना चाहती हूं, जिसमें मैंने रामोजी फिल्म सिटी का जिक्र किया था।

काजोल ने कहा, मैंने कई प्रोजेक्ट्स की शूटिंग रामोजी फिल्म सिटी में की है और वहां कई बार रुकी भी हूं। यह हमेशा एक बहुत प्रोफेशनल जगह रही है। मैंने वहां कई टूरिस्ट को एंजॉय करते हुए देखा है। यह एक शानदार डेस्टिनेशन है और बच्चों व परिवारों के लिए पूरी तरह सुरक्षित है।

काजोल ने क्या कहा था?

बता दें कि गैलट्टा इंडिया को दिए इंटरव्यू में जब काजोल से पूछा गया कि क्या उन्होंने कभी नेगेटिव एनर्जी महसूस की है, तो उन्होंने कहा था, इसे आप नेगेटिव एनर्जी कहें या वाइब्स, लेकिन कभी-कभी जब आप किसी जगह पर जाते हैं, तो महसूस होता है कि कुछ ठीक नहीं है। मैंने ऐसी जगहों पर शूट किया है जहां मुझे पूरी रात नींद नहीं आई और लगा कि बस यहां से निकल जाऊं। ऐसी बहुत सी जगहें हैं। बातचीत में काजोल ने ये भी कहा था, एक प्रमुख उदाहरण है रामोजी राव स्टूडियो, जो दुनिया की सबसे हांटेड जगहों में गिना जाता है। हालांकि, मैं लकी रही हूं कि मुझे वहां कुछ भी ऐसा अनुभव नहीं हुआ। काजोल के इस बयान पर सोशल मीडिया पर कुछ लोगों ने आपत्ति जताई थी। बता दें कि फिल्म मां 27 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म को विशाल फुरिया ने डायरेक्ट और अजय देवगन, ज्योति देशपांडे और कुमार मंगत पाठक ने प्रोड्यूस किया है।

जन नायकन से फिल्मों को अलविदा कहेंगे विजय

साउथ एक्टर थलापति विजय की आखिरी फिल्म जन नायकन का फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। बिजनेस टुडे की रिपोर्ट के मुताबिक विजय ने जन नायकन के लिए 275 करोड़ रुपए की फीस ली है। हालांकि, उन्हें फिल्म के प्रॉफिट में कोई हिस्सा नहीं मिलेगा। जन नायकन को एच विनोद ने डायरेक्ट और केवीएन प्रोडक्शंस प्रोड्यूस किया है। विजय के साथ फिल्म में पूजा हेगड़े और बॉबी देओल मुख्य भूमिकाओं में हैं, जबकि ममिता बैजू, गौतम वासुदेव मेनन, प्रकाश राज, नारायण और प्रियमणि सपोर्टिंग रोल्स में नजर आएंगे। फिल्म को पहली बार सितंबर 2024 में थलापति 69 के टाइटल के साथ अनाउंस किया गया था, क्योंकि यह विजय की 69वीं फिल्म है। आधिकारिक टाइटल जनवरी 2025 में सामने आया। इसकी शूटिंग फरवरी 2025 से चेन्नई और पयनूर में शुरू हुई। म्युजिक अनिरुद्ध रविचंदर ने दिया है। जन नायकन 9 जनवरी 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

करियर को लेकर कन्फ्यूज़ थीं सान्विका

जॉब नहीं करना चाहती थीं

फैंस का इंतजार खत्म हो चुका है और उनका पसंदीदा शो पंचायत का चौथा सीजन रिलीज हो चुका है। सीरीज में इस बार फुलेरा गांव में चुनाव का माहौल है। शो में एक बार फिर पुरानी कास्ट ही नजर आई है। इस बार कहानी में सचिव और रिंकी की लव स्टोरी आगे बढ़ती नजर आई है। शो के रिलीज होते ही एक बार फिर पंचायत की रिंकी यानी सान्विका चर्चाओं में आ गई हैं।

असली नाम नहीं था सान्विका

मध्यप्रदेश के जबलपुर में जन्मीं सान्विका को लोग उनके असली नाम से कम और पंचायत की रिंकी के नाम से ज्यादा जानते है। लेकिन क्या आपको पता है कि सान्विका का नाम पहले सान्विका नहीं था। ये नाम उनके माता-पिता ने नहीं बल्कि खुद उन्होंने रखा है। दरअसल, सान्विका का असली नाम पूजा सिंह था। लेकिन बाद में उन्होंने अपना नाम बदलकर पूजा सिंह से सान्विका रख लिया। पंचायत के सीजन वन तक उन्होंने अपना ओरिजनल नाम पूजा सिंह ही रखा था।

इसलिए पूजा से बनीं सान्विका

एक इंटरव्यू में सान्विका ने खुद बताया कि आखिर क्यों उन्होंने अपना नाम बदला। इसके पीछे उनका कहना है कि नाम को लेक काफी कन्फ्यूजन हो रही थी, इसलिए ऐसा करना पड़ा। दरअसल, पंचायत के पहले सीजन में रिंकी की सिर्फ एक झलक दिखी थी। लेकिन इसके बाद ही लोग उनके बारे में जानने के लिए काफी उत्सुक थे। लेकिन पूजा सिंह के नाम से सर्च करने पर किसी और अभिनेत्री की प्रोफाइल आती थी। यहां तक कि पंचायत के पहले सीजन की विकिपीडिया में भी किसी और अभिनेत्री की ही प्रोफाइल आती है। इसलिए इस कन्फ्यूजन को दूर करने के लिए उन्होंने अपना नाम पूजा से बदलकर सान्विका कर लिया। पंचायत से लोगों के बीच में मशहूर हुई सान्विका एक्टिंग की दुनिया में अपने माता-पिता से झूठ बोलकर आई हैं। उनके माता-पिता चाहते थे कि वो नौकरी करें, लेकिन सान्विका 9-5 की प्रॉपर जॉब नहीं करना चाहती थीं। एक इंटरव्यू में उन्होंने बताया था कि वो अपने पेरेंट्स से झूठ बोलकर घर से निकली थीं। सान्विका का कहना है कि वो अपने करियर को लेकर कन्फ्यूज थीं, बस वो जॉब नहीं करना चाहती थीं। फिर मुंबई में रह रही उनकी एक दोस्त ने उन्हें मुंबई आने को कहा। लेकिन ये इतना आसान नहीं था।

माता-पिता से झूठ बोलकर पहुंची मुंबई

सान्विका अपने पेरेंट्स से झूठ बोलकर मुंबई पहुंची थीं।

कुछ और प्रोजेक्ट्स में भी आई नजर, पंचायत से मिली पहचान

करियर की बात करें तो सान्विका 'हजामत', 'कैदी बंद' और 'प्लान ए प्लान बी' जैसे कुछ एक प्रोजेक्ट्स में भी नजर आई है। हालांकि, उन्हें पहचान पंचायत से ही मिली है। पहले सीजन में वो सिर्फ एक सीन को नजर आई थी, लास्ट में जहां वो टंकी पर बैठकर सचिव जी के साथ चाय पीती हैं। इसके बाद दूसरे और तीसरे सीजन में रिंकी के किरदार को एवसपोजर मिला और अब चौथे सीजन में रिंकी और सचिव जी की लव स्टोरी पूरी तरह से आगे बढ़ी है।

सोशल मीडिया पर ज्यादा एक्टिव नहीं हैं रिंकी

पंचायत में काफी सिंपल नजर आई रिंकी असल जिंदगी में उतनी सिंपल नहीं हैं। हालांकि, सान्विका सोशल मीडिया पर ज्यादा एक्टिव नहीं रहती हैं। इंस्टाग्राम पर उनके 48 हजार से ज्यादा फॉलोअर हैं। हालांकि, सान्विका के इंस्टाग्राम पर सिर्फ 9 पोस्ट ही हैं। जिनमें कुछ पंचायत के प्रमोशन से जुड़े हुए हैं, जबकि कुछ उनकी अलग-अलग फोटोज हैं। सान्विका की कुछ एक बोल्ड फोटोज भी सोशल मीडिया पर मौजूद हैं।

इटैलियन ग्लोबल सीरीज फेस्टिवल में अवॉर्ड मिलना सम्मान की बात है

बॉलीवुड अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडीज को सिनेमा की दुनिया में उनके योगदान के लिए इटैलियन ग्लोबल सीरीज फेस्टिवल अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। इसकी झलक जैकलीन ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर शेयर कर फैंस को खुश कर दिया है। वैश्विक मंच पर टेलीविजन और फिल्म में उत्कृष्टता का जश्न मनाने वाले इस कार्यक्रम में जैकलीन को पुरस्कार विजेताओं के एक प्रतिष्ठित समूह में शामिल किया गया। अपना आभार व्यक्त करते हुए, जैकलीन ने साझा किया कि उनके लिए सिनेमा, कहानी कहने से कहीं बढ़कर है। उन्होंने इसे एक शक्तिशाली माध्यम बताया जो समय, भाषा और महाद्वीपों के पार लोगों को जोड़ता है।

जैकलीन के लिए क्या है सिनेमा

जैकलीन ने आगे लिखा, मेरे लिए सिनेमा एक कला के रूप में सिर्फ कहानी सुनाना नहीं है, बल्कि समय, भाषा और महाद्वीपों के पार लोगों को जोड़ने का एक तरीका है। दुनिया के साथ इसे साझा करने में मदद करने के लिए स्वीकार किया जाना शब्दों से ज्यादा मायने रखता है! जैकलीन ने आगे लिखा, आगे जैकलीन ने लिखा, रिमिनी में आपके प्रतिष्ठित कार्यक्रम में सभी असाधारण पुरस्कार विजेताओं की उपस्थिति में सम्मानित होना सम्मान की बात थी। दुनिया भर में सिनेमा का जश्न मनाने के लिए हमारे पास और भी कई पल है।

जैकलीन का करियर

जैकलीन फर्नांडीज को हाल ही में कॉमेडी फिल्म हाउसफुल 5 में देखा गया था, जिसमें जैकलीन के अलावा अक्षय कुमार, रितेश देशमुख, अभिषेक बच्चन, सोनम बाजवा, नरगिस फाखरी, संजय दत्त, जैकी श्रॉफ, नाना पाटेकर, चित्रांगदा सिंह, फरदीन खान, चंकी पांडे, जॉनी लीवर, श्रेयस तलपदे, डिनो मोरिया, रंजीत, सौंदर्या शर्मा, निकितिन धीर और आकाशदीप साबिर भी थे। तरुण मनसुखानी द्वारा निर्देशित और साजिद नाडियाडवाला द्वारा निर्मित यह फिल्म 6 जून 2025 को रिलीज हुई थी।

जुग जुग जियो के 3 साल पूरे होने पर कियारा आडवाणी ने जताई खुशी

बॉलीवुड एक्ट्रेस कियारा आडवाणी की फिल्म जुग जुग जियो को रिलीज हुए तीन साल पूरे हो गए हैं। इस मौके पर एक्ट्रेस ने खुशी जताई और इसे खास अंदाज से सेलिब्रेट किया। कियारा ने फिल्म को अपनी जिंदगी का एक खुशियों भरा और यादगार अनुभव बताया। उन्होंने कहा कि इस फिल्म से उन्हें मुस्कुराहट, सीखने का मौका और कई अच्छे पल मिले। मंगलवार को, कियारा ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर फिल्म से जुड़े डूडल फोटो को शेयर किया, जिसमें फिल्म के चारों मुख्य कलाकार वरुण धवन, कियारा आडवाणी, अनिल कपूर और नीतू कपूर को कार्टून अवतार में दिखाया गया। एक्ट्रेस ने लिखा, 3 साल इस खूबसूरत फिल्म के, सबसे अच्छी टीम... सबसे मजेदार समय... जुग जुग जियो! उन्होंने इस पोस्ट में फिल्म के अपने सभी को-स्टार्स को भी टैग किया। जुग जुग जियो 24 जून 2022 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। जुग जुग जियो एक फैमिली कॉमेडी-ड्रामा फिल्म है, जिसे राज मेहता ने डायरेक्ट किया था।

फिल्म में पाकिस्तानी कलाकार को लेने पर मीका सिंह ने की दिलजीत की आलोचना

अभिनेता और सिंगर दिलजीत दोसांझ फिल्म सरदार जी 3 को लेकर सुर्खियों में हैं। इस महीने रिलीज के लिए प्रस्तावित इस फिल्म का ट्रेलर जब से आया है, तब से दिलजीत की जमकर आलोचना हो रही है। दरअसल, इस फिल्म में पाकिस्तानी अभिनेत्री हानिया आमिर भी हैं, जिनकी झलक ट्रेलर में भी नजर आई। पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के रिश्तों में खटास आ चुकी है। ऐसे वक्त में पाकिस्तानी अभिनेत्री को अपनी फिल्म में जगह देने पर दिलजीत की आलोचना हो रही है। इस पर अब सिंगर मीका सिंह ने भी रिएक्शन दिया है। मीका सिंह ने मंगलवार को अपनी इंस्टा स्टोरी पर एक पोस्ट शेयर किया। इसमें उन्होंने लिखा, देश पहले। दोस्तों, जैसा कि हम सभी जानते हैं, भारत और पाकिस्तान के बीच रिश्ते इस समय ठीक नहीं चल रहे हैं। फिर भी कुछ लोग गैर-जिम्मेदाराना हरकतें कर रहे हैं। सीमा पार के कलाकारों से जुड़ा कोई भी कंटेंट जारी करने से पहले उन्हें दो बार सोचना चाहिए, खासकर जब हमारे देश की गरिमा की बात हो। आगे लिखा है, फवाद खान और वाणी कपूर की एक फिल्म थी जिसका हममें से कई लोगों ने विरोध किया था, लेकिन फिर भी कुछ लोगों को संदेश समझ में नहीं आ रहा है। इससे भी ज्यादा हैरानी की बात यह है कि एक नकली गायक, भारत में 10 शो करने के बाद, जिसमें हजारों प्रशंसकों ने टिकट खरीदे थे, अब गायब हो गया है, जिससे प्रशंसक धोखा खा गए और असहाय हो गए हैं। मीका सिंह ने कहीं भी दिलजीत दोसांझ का नाम नहीं लिया है। मगर, उन्होंने इंस्टा स्टोरी पर जो पोस्ट शेयर किया है, उसमें दिलजीत की तस्वीर है। इससे साफ है कि मीका का इशारा दिलजीत की तरफ है। बताते चलें कि रविवार को सरदार जी 3 का ट्रेलर रिलीज हुआ। इसमें पाकिस्तानी एक्ट्रेस हानिया आमिर नजर आईं। यह देखकर सोशल मीडिया पर बवाल खड़ा हो गया। दरअसल, हानिया आमिर ने ऑपरेशन सिंदूर के वक्त भारत के बारे में भला-बुरा कहा था। इसी बात पर लोगों ने दिलजीत की फिल्म के बायकॉट की मांग शुरू कर दी। विवाद बढ़ा तो यह तय किया गया कि अब 'सरदार जी 3' भारत में रिलीज नहीं होगी। इसको सेंसर का सर्टिफिकेट नहीं मिला। दिलजीत की पंजाबी फिल्म ओवरसीज ही रिलीज हो रही है।

हार्दिक पांड्या के साथ डेटिंग की खबरों पर ईशा गुप्ता ने तोड़ी चुप्पी

बी-टाउन में अक्सर सेलेब्स के अफेयर और डेटिंग की खबरें फैलती रहती हैं। एक समय ईशा गुप्ता और हार्दिक पांड्या के बीच अफेयर की खबरें भी काफी सुर्खियों में रही थीं। अब इन खबरों पर ईशा ने सच्चाई बताई है। बॉलीवुड अभिनेत्री ईशा गुप्ता अपने बोल्ड लुक्स को लेकर अक्सर चर्चाओं में रहती हैं। अब ईशा गुप्ता ने उन दिनों को याद किया जब उनके और भारतीय क्रिकेटर हार्दिक पांड्या की डेटिंग की खबरें बी-टाउन का हॉट टॉपिक बनी थीं। एक वक्त इन दोनों के अफेयर की काफी चर्चाएं थीं। हालांकि, दोनों सेलेब्स में से किसी ने भी कभी इस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। अब कई वर्षों बाद अभिनेत्री ईशा गुप्ता ने इस पर बात की और डेटिंग की खबरों की सच्चाई बताई है।

जनसुवाई में प्राप्त आवेदनों का समय-सीमा में निराकरण करें- चंद्रा

नीमच 8 जुलाई (निप्र)। कलेक्टर हिमांशु चंद्रा ने कलेक्टोरेट सभाकक्ष नीमच में मंगलवार को जनसुनवाई करते हुए 98 आवेदकों की समस्याएं सुनी और उनका निराकरण करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। इस अवसर पर अपर कलेक्टर श्रीमती लक्ष्मी गामड़, एसडीएम संजीव साहू, सभी डिप्टी कलेक्टर, सी.एम.ओ. नीमच दुर्गा बामनिया सहित जिला अधिकारी उपस्थित थे।

जनसुनवाई में दयानन्द मार्ग नीमच के श्यामलाल सोनी, जवाहर नगर नीमच की श्वेता सोनी, थड़ोली के कारूलाल, विक्रम, श्यामलाल, सुवासरा बुजुर्ग के सुरेश, पालरी के नंदलाल, उकार, रायसिंहपुरा के बापुसिह, कंचन नगर नीमच के ओमप्रकाश काछी मोहल्ला मनासा के सरोज कुशवाह, कुकड़ेश्वर की प्रेमबाई, मनासा के हरिशचंद्र राठौर, खेड़ामोड़ी के कमलसिह, रतनगढ़ की ममता ने भी अपनी समस्याओं से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किए।

इसी तरह जससिंगपुरा के नानूराम, किशनपुरा के राहुल, आलोरी गरवाड़ा के किशनलाल, नीमच सिटी के सुरेन्द्र सोनी, मुकेरा के हेमराज, बघाना के आसिफ ने भी अपनी समस्याओं से संबंधित आवेदन जनसुनवाई में प्रस्तुत किए। कलेक्टर ने जनसुनवाई में प्राप्त सभी आवेदनों का समय-सीमा में निराकरण कर, की गई कार्यवाही से अवगत कराने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए।

नदी किनारे व सड़क पर कचरा फेंकने तथा पॉलिथीन विक्रय पर नगर पालिका ने बनाये चालान

नीमच 8 जुलाई (निप्र)। नगर पालिका परिषद नीमच की अध्यक्ष श्रीमती स्वाति-गौरव चोपड़ा की अध्यक्षता एवं मुख्य नगर पालिका अधिकारी श्रीमती दुर्गा बामनिया व स्वास्थ्य सभापति श्री धर्मेश पुरोहित की उपस्थिति में गत दिनों शहर की सफाई व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के लिए आयोजित स्वच्छता विभाग की बैठक में दिए गए निर्देशों के पालन में जहां नाले व नालियों की सफाई कार्य युद्धस्तर पर चल रहा है, वही प्रभारी स्वास्थ्य अधिकारी श्री दिनेश टांक के नेतृत्व में शहर में गंदगी फैलाने वालों व पॉलिथीन विक्रेताओं के खिलाफ चालानी कार्यवाही भी निरंतर जारी है। सोमवार को स्वच्छता निरीक्षक गोपाल नरवाले एवं उनकी टीम द्वारा सब्जी मंडी एवं फ्रूट मार्केट में पॉलिथीन की थैली विक्रय करने वाले तीन विक्रेताओं के चालन बनाकर 4000 रूपये अर्थदंड वसूला गया।

इसी तरह मंगलवार को प्रभारी स्वास्थ्य अधिकारी श्री दिनेश टाक की उपस्थिति में स्वच्छता निरीक्षक श्री भारतसिंह जी भारद्वाज व स्वच्छता पर्यवेक्षक दीपक सरसवाल द्वारा वार्ड नंबर 30 स्कीम नंबर 34 में नदी किनारे कचरा फेंकने वाले एवं वार्ड नंबर 31 टेलीफोन एक्सचेंज रोड पर दुकान संचालक द्वारा रोड किनारे गंदगी करने पर चालानी कार्यवाही करते हुए 2400 रू. अर्थदंड वसूला गया। प्रभारी स्वास्थ्य अधिकारी श्री दिनेश टांक ने शहर के नागरिकों व व्यवसाइयों से कचरा डस्टबिन व कचरा गाड़ी में ही डालने तथा हानिकारक पॉलिथीन का विक्रय व उपयोग नहीं करने का अनुरोध करते हुए कहा कि चालानी कार्रवाई निरंतर जारी रहेगी।

शंखेश्वर पार्श्व पद्मावती धाम में मनाया 44 वां दीक्षा महोत्सव

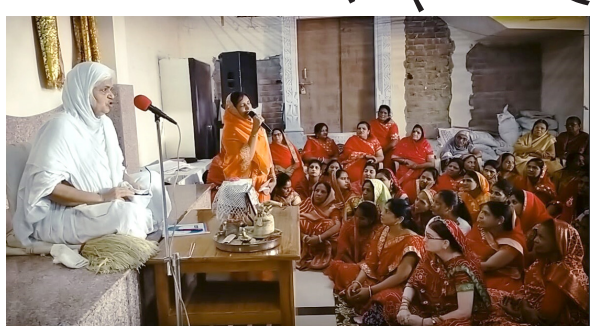

नीमच 8जुलाई । महावीर स्वामी ने अपने पवित्र मन और भाव के साथ तपस्या की तो उनके जीवन का कल्याण हो गया था। महावीर के अमूल्य प्रेम भाव के महत्व को हम समझे और अपने जीवन का कल्याण करने की ओर आगे बढ़े। अभी हमारी आत्मा का कल्याण हो सकता है।पवित्र भाव के बिना संयम जीवन का मार्ग नहीं मिलता है। यह बात साध्वी गुणरंजना श्री जी महाराज साहब ने कहीं। वे श्री शंखेश्वर पार्श्व पद्मावती धाम शक्ति नगर के तत्वाधान में 44वें संयम दीक्षा महोत्सव कार्यक्रम के उपलक्ष्य में आयोजित धर्म सभा में बोल रही थी। उन्होंने कहा कि संसार में लोग धन को महत्व देते हैं जबकि संसार में संस्कार और बुजुर्गों का सम्मान ही महत्वपूर्ण है। हमें संग्रह की प्रवृत्ति को त्याग कर दान धर्म पुण्य के पुरुषार्थ की ओर आगे बढ़ना होगा तभी हमारी आत्मा का कल्याण हो सकता है। लोगों ने संसार में रहते हुए बहुत परिश्रम और पुरुषार्थ के साथ धन तो बहुत कमा लिया लेकिन आत्मा की शांति को खो दिया है। आत्मा की शांति को प्राप्त करना है तो मन को पवित्र करना होगा और मन को पवित्र करना है तो भक्ति तपस्या की ओर अग्रसर होना होगा। पवित्र भावनाओं के साथ जीवन जीना मुश्किल होता है। सरकार भी 60 वर्ष की आयु में कर्मचारियों अधिकारियों को सेवानिवृत्ति कर देती है लेकिन समाज के कई लोग आज भी धन कमाने की प्रतिस्पर्धा में लगे हुए हैं चिंतन का विषय है। गुरु और माता-पिता के उपकार को कभी नहीं भुलना चाहिए।हम परिवार और नोट से बहुत प्रेम करते हैं उतना ही प्रेम यदि हम भक्ति तपस्या में करें तो हमारे जीवन का कल्याण हो सकता है। जहां तक हो सके पाप कर्म नहीं करना चाहिए पाप कर्म से सदैव बचना चाहिए तभी हमारी आत्मा का कल्याण हो सकता है जिनवाणी को जीवन के आचरण में उतर कर पुण्य कर्म करना चाहिए।

संयम जीवन मोक्ष का वीजा है इसलिए संयम की राह पर सदैव चलते रहना चाहिए तभी आत्मा का कल्याण हो सकता है।मंदिर संस्कार और भक्ति तपस्या के प्रमुख केंद्र होते हैं।

सभा में शकुंतला गोपावत , वंदना आंचलिया, चेतन छाजेड़, पद्मावती महिला मंडल, डिंपल जैन, पद्मावती बहू मंडल आदि मातृशक्ति द्वारा गीत प्रस्तुत किए गए।इस अवसर पर वरिष्ठ समाजसेवी मनोहर सिंह लोढ़ा ,प्रेम प्रकाश जैन, जयवंत कोठीफोडा, मांगीलाल बोहरा,वीरेंद्र यादव भानपुरा, राजेश मानव, रोशन जारोली, प्रीतम खिमेसरा,गेंदमल पामेचा ,नितिन कंकरेचा, महावीर जैन, अनिल नाहटा,राजमल छाजेड़ ,राकेश जैन आंचलिया, संदीप खाबिया, वीरेंद्र सिंह लोढ़ा, विजय छाजेड़ ,सुशील पगारिया शरद जैन ,पारस मुर्डिया, सुरेंद्र जैन कांकरोली, राजकुमार पारख, अनिल बेगानी, संजय बेगानी, जमनालाल नपावलिया, शांतिलाल पोखरणा, संजय मुर्डीया, वीरेंद्र गोपावत, नितेश नांदेचा, सहित बड़ी संख्या में समाज जन उपस्थित थे। महोत्सव में मुंबई, अहमदाबाद, इंदौर, रतलाम मंदसौर ,भानपुरा, चित्तौड़गढ़, प्रतापगढ़, निंबाहेड़ा, ब्यावर, शामगढ़ व रामगंज मंडी राजस्थान व मध्य प्रदेश सहित देश भर से समाज जन सहभागी बने।

समृद्ध और विकसित शहर बनेंगे प्रदेश के समावेशी विकास की आधारशिला- मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल 8 जुलाई (एजेंसी)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विजन के अनुरूप मध्यप्रदेश के शहरों में इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित हो रहा है। इससे बढ़ती नगरीय जनसंख्या की आवश्यकताओं की पूर्ति होगी। समृद्ध और विकसित शहर, प्रदेश के समावेशी विकास की आधारशिला बनेंगे। इसे साकार करने के लिए मध्यप्रदेश ग्रोथ कॉन्क्लेव का आयोजन किया जा रहा है। 'नेक्स्ट होराइजनः बिल्डिंग सिटीज ऑफ टुमॉरो' थीम पर केन्द्रित कॉन्क्लेव में मध्यप्रदेश के शहरी विकास और निवेश पर देश की रियल एस्टेट सेक्टर के दिग्गज विकसित मध्यप्रदेश@2047 के लिए शहरी विकास के ब्लूप्रिंट पर चर्चा करेंगे।

शहरी क्षेत्रों में विकास की प्रगति - मध्यप्रदेश में शहरी अर्थव्यवस्था तेजी से विकसित हो रही है। प्रदेश में 4 शहर ऐसे हैं जिनकी जनसंख्या 10 लाख से अधिक है। साथ ही केन्द्र की स्मार्ट सिटी परियोजना में 7 शहर शामिल हैं। शहरी क्षेत्रों में अधो-संरचना विकास के संबंधित 72 हजार करोड़ रुपये की परियोजनाओं पर कार्य किया जा रहा है। इसी के साथ करीब 88 हजार करोड़ रुपये की शहरी क्षेत्र से जुड़ी विकास योजनाएं प्रस्तावित है। मध्यप्रदेश ने स्वच्छता के लिये देश में अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है। इंदौर देश में पिछले 7 वर्षों से स्वच्छतम शहरों की श्रेणी में पहले नम्बर पर रहा है। भोपाल को देश की दूसरे नंबर की स्वच्छतम राजधानी बनने का गौरव हासिल किया है। प्रदेश के बजट में शहरी क्षेत्र के विकास के लिए 15 हजार 780 करोड़ रुपये प्रतिवर्ष का प्रावधान किया गया है। प्रदेश के सकल घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) में शहरी क्षेत्र का योगदान 35.55 प्रतिशत है। शहरी क्षेत्रों में संचालित केन्द्र की फ्लैग शिप योजनाओं के क्रियान्वयन में प्रदेश सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाले राज्यों शामिल

है। नगरीय विकास से जुड़ी योजनाओं की गति तेज बनाए रखने के लिए सिंगल-विंडो सिस्टम की प्रशासनिक व्यवस्था की गई है।

हाउसिंग सेक्टर में बेहतर निवेश की संभावना - प्रदेश में हाउसिंग सेक्टर में निवेश की अच्छी संभावना है। अफोर्डेबल हाउसिंग में 8 लाख 32 हजार से अधिक किफायती आवास तैयार किये जा चुके है। प्रदेश में 10 लाख नए आवास तैयार किये जा रहे है। इनमें 50 हजार करोड़ रूपये का निवेश होगा। रियल एस्टेट की योजनाओं के क्रियान्वयन के लिये प्रदेश में मानव संसाधन की गुणवत्तापूर्ण वर्क फोर्स उपलब्ध है। प्रदेश के शहरी क्षेत्रों में 6 हजार किलोमीटर सड़क, 80 प्रतिशत शहरी क्षेत्र में पाईपलाइन वॉटर सप्लाई कवरेज की सुविधा और शत् प्रतिशत शहरी क्षेत्र सीवरेज सिस्टम उपलब्ध है। नगरीय क्षेत्रों में स्थानीय निकायों में 23 सेवाएं ऑनलाइन डिजिटल प्लेटफार्म पर उपलब्ध कराई गई है। नगरीय निकायों में सेन्ट्रलाईज पोर्टल के माध्यम से मंजूरी दी जा रही है। प्रदेश के शहरी क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं से जुड़ी योजनाओं पर 17 हजार 230 योजनाएं क्रियान्वित की जा रही है। शहरी क्षेत्रों में स्वच्छ पर्यावरण के लिये 2 हजार 800 करोड़ और वॉटर फ्रंट से संबंधित डेव्हलपमेंट में 2 हजार करोड़ रूपये की परियोजनाओं पर कार्य किया जा रहा है।

पीड़ितों के जाति प्रमाण पत्र बनवाने की अनुसंधान अधिकारी तत्काल कार्यवाही करें- श्रीमती गामड़

जिला स्तरीय सतर्कता एवं मॉनिटरिंग समिति की बैठक सम्पन्न

नीमच 8 जुलाई 2025, अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम अंतर्गत दर्ज प्रकरणों में पीड़ितों के जाति प्रमाण पत्र नहीं होने की दशा में संबंधित प्रकरण के अनुसंधान अधिकारी संबंधित अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) से संपर्क कर शीघ्र जाति प्रमाण पत्र बनवाने की कार्यवाही करें, ताकि जाति प्रमाण पत्र के अभाव में पीड़ित को राहत राशि प्राप्त होने में विलंब न हो। यह निर्देश अपर कलेक्टर श्रीमती लक्ष्मी गामड़ ने सोमवार को कलेक्टोरेट सभाकक्ष नीमच में अत्याचार निवारण अधिनियम अंतर्गत आयोजित जिला स्तरीय सतर्कता एवं मॉनिटरिंग समिति की समीक्षा बैठक में संबंधित अधिकारियों को दिये।

बैठक के प्रारंभ में जिला संयोजक जनजातीय कार्य विभाग नीमच श्री राकेश कुमार राठौर, ने पूर्व बैठक के कार्यवाही विवरण का वाचन किया तथा विभाग द्वारा पीड़ितों के प्रकरणों में राहत वितरण की जानकारी दी। निरीक्षण अ.जा.क.थाना श्रीमती शब्बी मेव, ने बैठक में विभाग से संबंधित प्रकरणों की जानकारी दी गई। कुछ प्रकरणों में पीड़ितों के जाति प्रमाण नहीं होने तथा आरोपी की गिरफ्तारी नहीं होने के संबंध में समिति के अशासकीय सदस्यों द्वारा किये गये प्रश्न पर अपर कलेक्टर श्रीमती गामड़ ने निर्देश दिये, कि आरोपियों की गिरफ्तारी शीघ्र कर, चालान न्यायालय में प्रस्तुत करने की कार्यवाही की जाए।

बैठक में समिति सदस्यगण श्री हेमन्त हरित, श्री अशोक जोशी, श्री रतनलाल मालावत, श्री अनूप व्यास, जिला लोक अभियोजन अधिकारी श्री जगदीश चौहान, अति. जिला अभियोजन अधिकारी श्री चन्द्रकांत नाफडे, सहायक संचालक कृषि श्री दिनेश मंडलोई, जिला कोषालय अधिकारी श्री ब्रजमोहन सुरावत भी उपस्थित थे। बैठक के अंत में जिला संयोजक, जनजातीय कार्य एवं अनुसूचित जाति कल्याण विभाग श्री राकेश कुमार राठौर, ने आभार व्यक्त किया।

प्रदेशाध्यक्ष जीतू पटवारी, उमंग सिंघार सहित कांग्रेस के सभी बड़े नेता गिरफ्तार

अशोक नगर 8 जुलाई (एजेंसी)। मध्यप्रदेश कांग्रेस के सभी बड़े नेताओं को गिरफ्तार कर लिया गया है। प्रदेश के अशोकनगर में चल रहे न्याय सत्याग्रह के दौरान ये गिरफ्तारी की गई। एसडीओपी विवेक शर्मा ने मंच से कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष जीतू पटवारी, नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार, प्रदेश प्रभारी हरीश चौधरी सहित न्याय सत्याग्रह में मौजूद सभी कार्यकर्ताओं की गिरफ्तारी की घोषणा की। हालांकि इसके तत्काल बाद ही सभी नेता कार्यकर्ताओं को रिहा भी कर दिया गया। एसडीओपी विवेक शर्मा द्वारा सभी की गिरफ्तारी की घोषणा के कुछ क्षण बाद ही अशोकनगर के एसडीएम बृज बिहारी लाल श्रीवास्तव ने सभी नेता, कार्यकर्ताओं को रिहा करने की घोषणा कर दी। कार्यक्रम में सभी वक्ताओं ने प्रदेश की बीजेपी सरकार पर जमकर वार किए। पूर्व मुख्यमंत्री, राज्यसभा सांसद और पार्टी के वरिष्ठ नेता दिग्विजयसिंह ने कहा कि मैंने ऐसी पुलिस नहीं देखी जो इतनी घबराई हुई है। मेरे पास खबर यह आई कि यहां आठ जिलों की पुलिस बुलाई गई है ताकि लोग हमारी सभा में न आ पाएं।

नरवाई प्रबंधन के लिए किसानों को वेस्ट कम्पोजर का उपयोग करने के लिए प्रेरित करें- चंद्रा

समय-सीमा पत्रों के निराकरण की बैठक में कलेक्टर ने दिए निर्देश

नीमच 8 जुलाई (निप्र)। जिले में किसानों को नरवाई प्रबंधन के लिए ईफकों के वेस्ट कंपोजर की बॉटल का उपयोग करने के लिए प्रेरित किया जाए। कृषि विभाग मैदानी अमले के माध्यम से किसानों से चर्चा कर, उन्हें नरवाई प्रबंधन के प्रति जागरूक करें। हेप्पीसीडर के प्राप्त लक्ष्य अनुरूप प्रकरण तैयार कर, किसानों का 31 जुलाई तक पंजीयन करवाए। यह निर्देश कलेक्टर हिमांशु चंद्रा ने मंगलवार को कलेक्टोरेट सभाकक्ष नीमच में आयोजित समय-सीमा पत्रों के निराकरण की साप्ताहिक समीक्षा बैठक में उप संचालक कृषि को दिए। बैठक में एडीएम श्रीमती लक्ष्मी गामड़, सभी एसडीएम, डिप्टी कलेक्टर्स एवं जिला अधिकारी उपस्थित थे।

बैठक में कलेक्टर ने क्षतिग्रस्त, पुराने, जीर्ण शीर्ण शासकीय भवनों को डिस्मेंटल करने की समीक्षा में निर्देश दिए, कि किसी भी क्षतिग्रस्त, जीर्णशीर्ण अथवा मरम्मत योग्य भवन में स्कूल, कक्षाएं या आंगनवाड़ी संचालित ना हो। यदि कही पर कोई अन्य शासकीय भवन उपलब्ध ना हो, तो भी वैकल्पिक व्यवस्था के तौर पर किराए का भवन लेकर, उनमें कक्षाएं, आंगनवाड़ी संचालित की जाए। जिला शिक्षा अधिकार, डीपीसी, जिला संयोजक आदिम जाति कल्याण विभाग, महिला एवं बाल विकास अधिकारी अपनी संस्थाओं के भवनों का निरीक्षण करवाकर, यह सुनिश्चित कर लें, कि कोई भी भवन क्षतिग्रस्त या जर्जर नहीं है। सभी भवन पूर्णतः सुरक्षित है। किसी भी परिस्थिति में जीर्णशीर्ण भवन में कक्षाएं संचालित ना हो। कलेक्टर ने सभी संबंधित विभागों के अधिकारियों को आगामी टी.एल. में इस आशय का प्रमाण पत्र प्रस्तुत करने के निर्देश दिए, कि सभी स्कूल, कक्षाए, छात्रावास एवं आंगनवाड़ी केंद्र सुरक्षित भवनों में ही संचालित हो रहे है।

बैठक में कलेक्टर ने निर्देश दिए, कि 31 जुलाई तक शिक्षण संस्थाओं के माध्यम से सभी विद्यार्थियों के जाति प्रमाण पत्र बनाने के फार्म तैयार कर, एसडीएम के माध्यम से जाति प्रमाण पत्र बनवाना सुनिश्चित करें। बीईओ एवं बीआरसी इस कार्य को प्राथमिकता से करवाएं।

कलेक्टर ने डीईओ और डीपीसी को निर्देश दिए, कि सभी शालाओं में शाला प्रवेश के योग्य शतप्रतिशत विद्यार्थियों का नामांकन सुनिश्चित करवाएं। कोई भी विद्यार्थी शाला में प्रवेश से वंचित ना रहे।

जिला नोडल अधिकारी भी अपनी क्षेत्र की पंचायतों के स्कूलों में विद्यार्थियों के नामांकन की समीक्षा करें और यदि कोई विद्यार्थी ड्राप आउट है, तो उसे विद्यालय में प्रवेश दिलवाए । बैठक में कलेक्टर चंद्रा ने दस्तक अभियान की तैयारियों की भी विस्तार से समीक्षा की और सभी जिला नोडल अधिकारियों को दस्तक अभियान की अपने क्षेत्र की पंचायतों में नियमित मॉनिटरिंग एवं समीक्षा करने के निर्देश दिए ।

आज ही बुक करें अपना Zelo इलेक्ट्रिक स्कूटर, घर ले जाए
मात्र रु ~~45990/-~~ रु 38,990/-
में वो भी 1 साल की बैटरी वारंटी के साथ
मात्र रू.38,990/- से इलेक्ट्रिक स्कूटर की रेंज से शुरु ...

RTO मॉडल मात्र
रु ~~81000/-~~ रु 76000/-*
(माइलेज 80-100 कि.मी.) 3 साल बैटरी की वारंटी
के साथ, आज ही बुक करवाए और पाए एक सोने का सिक्का।

Zelo Electric Scooter

बंगला नं. 23, IDBI बैंक के सामने,
Lic रोड़, नीमच (म.प्र.)
मो. 9407423999, 8770664866

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक एवं मुद्रक ऐश्वर्य शर्मा के लिए माँ भगवती प्रिन्टर्स बंगला नं. 23, आईडीबीआई बैंक के सामने, नीमच, जिला-नीमच, मध्यप्रदेश से मुदित एवं प्रकाशित। सम्पर्क: 9407423966। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र नीमच होगा।